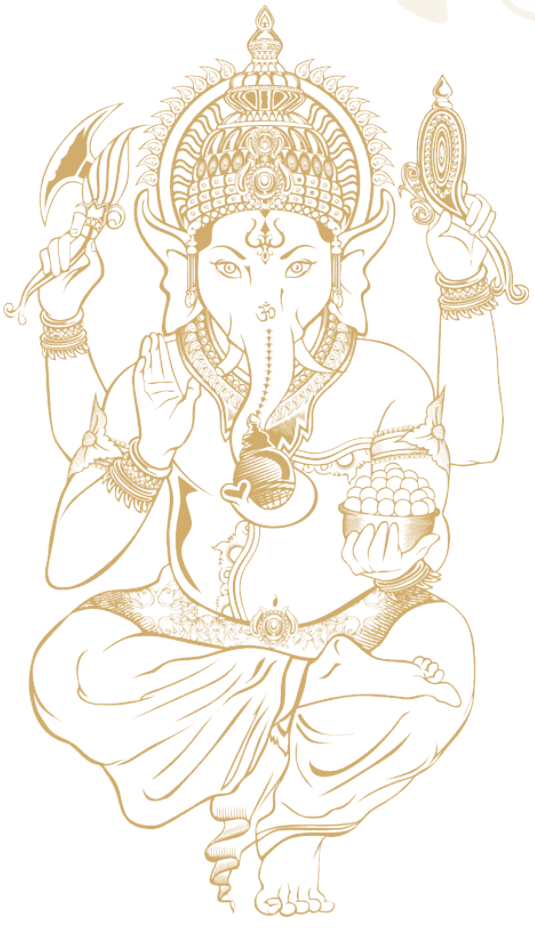

Chi.Priyash Jain

Ms.AditiJain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119051603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/09/1994	जन्म तिथि	12/07/1997
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 08:55:00	जन्म समय	22:47:00 घंटे
घटी 06:54:52	जन्म समय(घटी)	42:26:04 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Raipur
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:03	सूर्योदय	05:28:50
18:43:24	सूर्यास्त	18:48:31
23:47:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 4वर्ष 6मा 4दि	22:50:43	कन्या	लग्न	मीन	08:15:34	मंगल 6वर्ष 4मा 18दि
बुध	15:39:28	सिंह	सूर्य	मिथु	26:33:38	गुरु
08/03/2018	29:34:22	मिथु	चंद्र	कन्या	24:30:19	30/11/2021
08/03/2035	16:42:55	मिथु	मंगल	कन्या	17:28:17	30/11/2037
बुध 04/08/2020	02:56:49	कन्या	बुध	कर्क	14:23:48	गुरु 18/01/2024
केतु 01/08/2021	16:11:34	तुला	गुरु व	मक	26:28:40	शनि 31/07/2026
शुक्र 01/06/2024	01:22:11	तुला	शुक्र	कर्क	23:05:44	बुध 05/11/2028
सूर्य 07/04/2025	15:11:25	कुंभ व	शनि	मीन	26:11:51	केतु 12/10/2029
चन्द्र 07/09/2026	23:40:02	तुला व	राहु	सिंह	27:52:38	शुक्र 12/06/2032
मंगल 04/09/2027	23:40:02	मेष व	केतु	कुंभ	27:52:38	सूर्य 31/03/2033
राहु 23/03/2030	28:57:45	धनु व	हर्ष व	मक	13:32:38	चन्द्र 31/07/2034
गुरु 28/06/2032	27:02:00	धनु व	नेप व	मक	04:58:38	मंगल 07/07/2035
शनि 08/03/2035	01:42:09	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:16:16	राहु 30/11/2037

लग्न-चलित

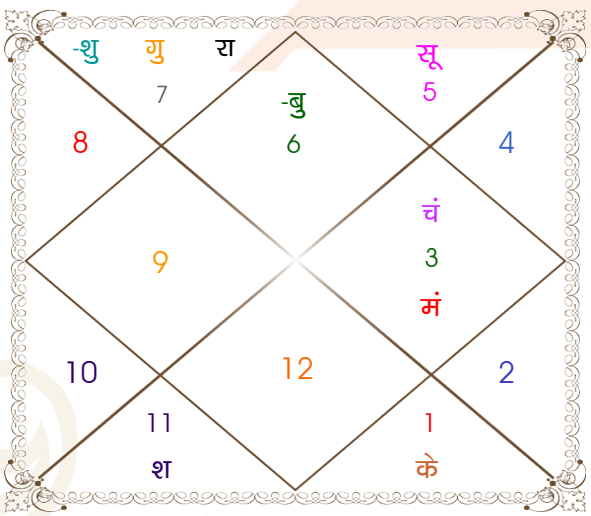

लग्न-चलित

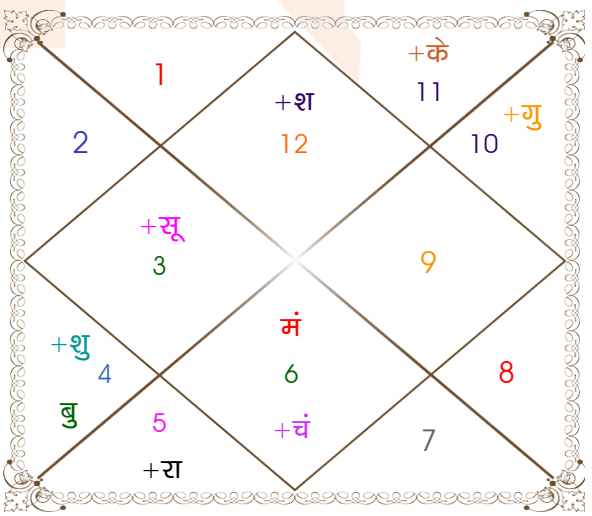

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Chi.Priyash Jain का वर्ग मेष है तथा Ms.AditiJain का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Chi.Priyash Jain और Ms.AditiJain का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Chi.Priyash Jain मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms.AditiJain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.AditiJain कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms.AditiJain कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Chi.Priyash Jain कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Chi.Priyash Jain तथा Ms.AditiJain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com